Paper - III

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - III

Time : 3 Hours **(Pages 10)** **Max. Marks : 100**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

24 अंक

प्र. 1. (क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (8)

जब अपनी योग्यता प्राप्त करने में हमारा खुद का हिस्सा अल्पतम है और समाज की कृपा का अंश अत्यधिक तो हमें जो योग्यता प्राप्त हुई है उसका उपयोग समाज को अधिक-से-अधिक देना और उसके बदले में समाज से कम-से-कम लेना, यही न्याय तथा हमारा कर्तव्य माना जा सकता है। चल रहा है कुछ उल्टा ही। व्यक्ति समाज को कम-से-कम देने की इच्छा रखता है, समाज से अधिक-से-अधिक लेने का प्रयत्न करता है, कुछ भी न देना पड़े तो उसे रंज नहीं होता।

यह गंभीर बुनियादी सवाल है कि क्या बुद्धि का उपयोग विषम व्यवस्था को कायम रखकर पैसे कमाने के लिए करना उचित है? यह तो साफ दिखता है कि आर्थिक विषमता का एक मुख्य कारण बुद्धि का ऐसा उपयोग ही है। शोषण भी प्राय: उसी से होता है। समाज में जो आर्थिक और सामाजिक विषमताएँ चल रही हैं और जिससे शोषण, अशांति होती है, उसे मिटाने के लिए जगत में अनेक योजनाएँ अब तक सामने आईं और इनमें कुछ पर अमल भी हो रहा है। अहिंसा द्वारा यह जटिल प्रश्न हल करना हो तो गांधीजी ने इस आशय का सूत्र बताया, ''पेट भरने के लिए हाथ-पैर और ज्ञान प्राप्त करने और ज्ञान देने के लिए बुद्धि। ऐसी व्यवस्था हो कि हर एक को चार घंटे शरीर श्रम करना पड़े और चार घंटे बौद्धिक काम करने का मौका मिले और चार घंटों के शरीर श्रम से इतना मिल जाए कि उसका निर्वाह चल सके।"

(1) (i) **समझकर लिखिए** 1

समाज में व्यक्ति का उल्टा चलन

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

गांधीजी द्वारा शोषण तथा अशांति मिटाने के लिए बताए गए सूत्र

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य सत्य है या असत्य लिखिए।** 1

(1) योग्यता प्राप्त करने में व्यक्ति का हिस्सा अत्यधिक होता है।

(2) समाज से कम से कम लेना यही न्याय तथा कर्तव्य मानना चाहिए।

(ii) **समझकर लिखिए** 1

(1) गद्यांश में प्रयुक्त विषयमताओं के दो प्रकार -

(2) आर्थिक व सामाजिक विषमताएँ इन्हें जन्म देती हैं -

(3) (i) **परिच्छेद में से शब्द-युग्म शब्द छाँटकर लिखिए।** 1

(1) .... (2) ....

(ii) **गद्यांश से ढूँढ़कर विलोम शब्द की जोड़ी लिखिए।** 1

(1) अधिक × .... (2) अत्यधिक × ....

(4) **'आर्थिक विषमता दूर करने के लिए उपाय' विषय पर अपने विचार लिखिए।** 2

प्र.1. (ख) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(8)**

प्रिय सरोज,

तुम्हारा १६ से १८ तक लिखा हुआ पत्र आज अभी मिला। इस महीने में मैंने इन तारीखों को पत्र लिखे हैं - तारीख १,९,१५ और चौथा आज लिख रहा हूँ। अब तुमको हर सप्ताह मैं लिखूँगा ही। तुम्हारी तबीयत कमजोर है तब तक चिरंजीव रैहाना मुझे पत्र लिखेगी तो चलेगा। मुझे हर सप्ताह एक पत्र मिलना ही चाहिए।

पूज्य बापू जी चाहते हैं तो हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए मुझे अपनी सारी शक्ति उर्दू सीखने के पीछे खर्च करनी चाहिए। तुमको मैंने एक संदेश भेजा था कि तुम उर्दू लिखना सीखो । लेकिन अब तो मेरा एक ही संदेश है-पूरा आराम लेकर पूरी तरह ठीक हो जाओ।

तारों के नक्शे बनाने के लिए कंपास बॉक्स भी मँगाकर रखा है। लेकिन अब तक कुछ हो नहीं पाया है। मैंने अपने फूल के गमले अपने पास से निकाल दिए हैं। सादे क्रोटन को ही रहने दिया है।

सबको काका का सप्रेम शुभाशीष।

(1) (i) **कारण लिखिए।** 1

(1) काका जी ने कंपास बॉक्स मँगवा कर रखा।

(2) लेखक ने फूल के गमले अपने पास से निकाल दिए।

(ii) **उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** 1

(1) चिरंजीव (2) उर्दू

(2) (i) **समझकर लिखिए।** 1

(1) एक महीने में इतनी बार पत्र लिखे लेखक ने -

(2) बापू जी की चाह -

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

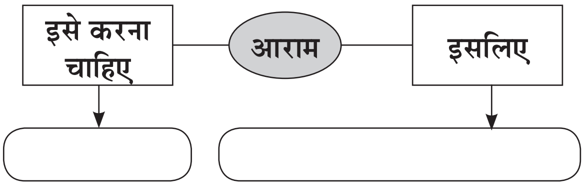

(3) (i) **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।** 2

(1) चाह (2) पूजनीय (3) खत (4) स्वास्थ्य

(4) **'पत्र लिखने का सिलसिला सदैव जारी रहना चाहिए।' इस कथन पर अपना मत लिखिए।** 2

प्र.1. (ग) **अपठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(8)**

हर किसी को आत्मरक्षा करनी होगी, हर किसी को अपना कर्तव्य करना होगा । मैं किसी की सहायता की प्रत्याशा नहीं करता । मैं किसी का भी प्रत्याह नहीं करता। इस दुनिया से मदद की प्रार्थना करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। अतीत में जिन लोगों ने मेरी मदद की है या भविष्य में भी जो लोग मेरी मदद करेंगे, मेरे प्रति उन सबकी करुणा मौजूद है, इसका दावा कभी नहीं किया जा सकता । इसीलिए मैं सभी लोगों के प्रति चिर कृतज्ञ हूँ । तुम्हारी परिस्थिति इतनी बुरी देखकर मैं बेहद चिंतित हूँ । लेकिन यह जान लो कि– 'तुमसे भी ज्यादा दुखी लोग इस संसार में हैं । मैं तुमसे भी ज्यादा बुरी परिस्थिति में हूँ । इंग्लैंड में सब कुछ के लिए मुझे अपनी ही जेब से खर्च करना पड़ता है। आमदनी कुछ भी नहीं है । लंदन में एक कमरे का किराया हर सप्ताह के लिए तीन पाउंड होता है। ऊपर से अन्य कई खर्च हैं। अपनी तकलीफों के लिए मैं किससे शिकायत करूँ ? यह मेरा अपना कर्मफल है, मुझे ही भुगतना होगा ।'

(विवेकानंद की आत्मकथा से)

(1) **कृति पूर्ण कीजिए।** **2**

(i)

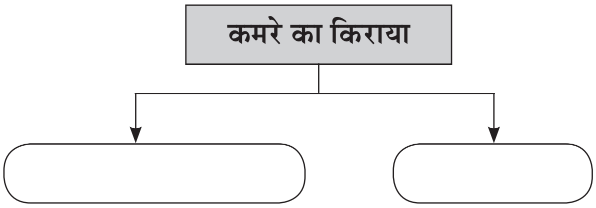

(ii)

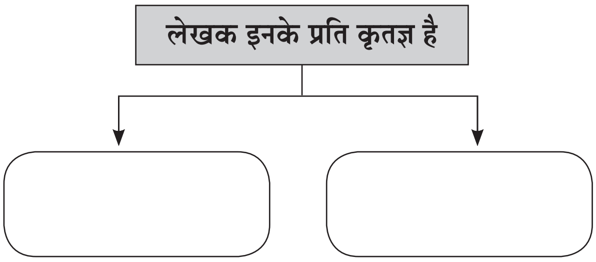

(2) **उत्तर लिखिए।** **2**

(i) परिच्छेद में उल्लेखित देश : ....

(ii) हर किसी को करना होगा : ....

(iii) लेखक की तकलीफें : ....

(iv) हर किसी को करनी होगी : ....

(3) **लिंग पहचानकर लिखिए।** **2**

(i) जेब - .... (ii) साहित्य - ....

(iii) दाव - .... (iv) सेवा - ....

(4) **'कृतज्ञता' के संबंध में अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 2 - पद्य

18 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

दोहा -
हरित भूमि तृन संकुल, समुझि परहि नहिं पंथ।
जिमि पाखंड बिबाद तें, लुप्त होहिं सदग्रंथ।।

चौपाई -
दादुर धुनि चहुँ दिसा सुहाई। बेद बढ़हिं जनु बटु समुदाई।।
नव पल्लव भए बिटप अनेका। साधक मन जस मिले बिबेका।।
अर्क-जवास पात बिनु भयउ। जस सुराज खल उद्यम गयऊ।।
खोजत कतहुँ मिलइ नहिं धूरी। करइ क्रोध जिमि धरमहिं दूरी।।
ससि संपन्न सोह महि कैसी। उपकारी कै संपति जैसी।।
निसि तम घन खद्योत बिराजा। जनु दंभिन्ह कर मिला समाजा।।

(1) (i) **तालिका पूर्ण कीजिए।** 1

इन्हें	यह कहा है
....	बटु समुदाय
भक्त को	....

(ii) **उचित जोड़ियाँ मिलाइए।** 1

'अ'	'ब'
(1) पेड़ों का पर्णहीन होना	(क) दुष्टों की एक न चलना
(2) खोजने पर धूल का न मिलना	(ख) धर्म का ज्ञान न रहना
	(ग) साधक मन का विवेक

(2) (i) **सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए।** 1

(1) पाखंड के प्रचार से सद्ग्रंथ/दृष्ट लोग लुप्त हो जाते हैं।

(2) रात के घने अंधकार में हरे भरे खेतों का/जुगनुओं का सौंदर्य अधिक आकर्षक दिखता है।

(ii) **वाक्य पूर्ण कीजिए।** 1

(1) सुराज्य में दुष्टों की ....

(2) क्रोध का आवेश होने पर ....

(3) **निम्नलिखित पद्यांशों का भावार्थ लिखिए।** 2

दोहा - हरित भूमि तृन संकुल, समुझि परहि नहिं पंथ।

जिमि पाखंड बिबाद तें, लुप्त होहिं सदग्रंथ।।

प्र.2. (छ) निम्न मुद्दों के आधार पर निम्न कविता का पद्य विश्लेषण कीजिए: **(6)**

(i) **अपनी गंध नही बेचूँगा** **अथवा** (ii) **कृषक गान**

(1) रचनाकार का नाम (2) रचना का प्रकार (3) पसंदीदा पंक्ति

(4) पसंदीदा होने का कारण (5) कविता से प्राप्त संदेश/प्रेरणा

प्र.2. (ज) अपठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(6)**

जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ।।

(1) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **2**

(i)

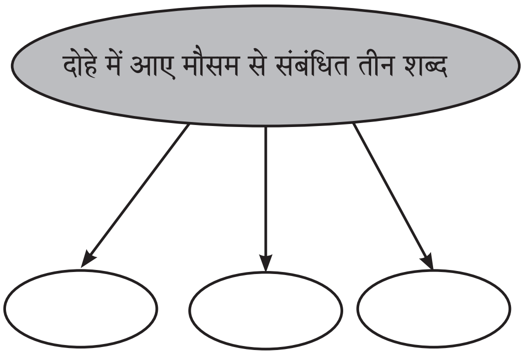

(2) (i) **दोहे में प्रयुक्त समानार्थक शब्द लिखिए।** **1**

(1) शरीर (2) पृथ्वी

(ii) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) धरती × .... (2) शीत × ....

(3) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ।।''

विभाग 3 - पूरक पठन

8 अंक

प्र.3. (अ) गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। **(4)**

अब तक वह कितने ही स्थानों पर नौकरी के लिए आवेदन कर चुका था। साक्षात्कार दे चुका था। उसके प्रमाणपत्रों की फाइल भी उसे सफलता दिलाने में नाकामयाब रही थी। हर जगह भ्रष्टाचार, रिश्वत का बोलबाला होने के कारण, योग्यता के बावजूद उसका चयन नहीं हो पाता था। हर ओर से अब वह निराश हो चुका था। भ्रष्ट सामाजिक व्यवस्था को कोसने के अलावा उसके वश में और कुछ तो था नहीं।

आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। अब तक देशप्रेम, नैतिकता, शिष्टाचार, ईमानदारी पर अपने तर्कपूर्ण विचार बड़े विश्वास से रखता आया था लेकिन इसके बावजूद उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई थी।

(1) (i) **कारण लिखिए।** **2**

(1)

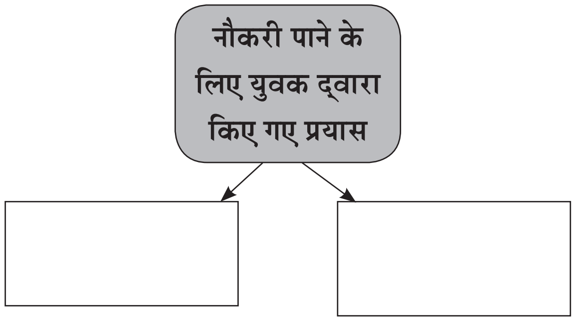

(2)

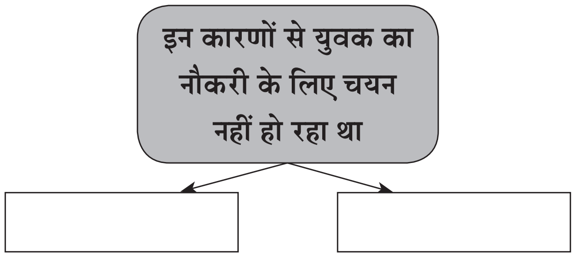

(2) **'भ्रष्टाचार एक कलंक है।' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।** **2**

प्र.3. (आ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(4)**

यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें।
झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रजिया भारत माँ के।
भारत मात के रथ के हैं हम दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये।
हम उस धरती की संतति हैं .....

(1) (i) **सही या गलत पहचानकर गलत वाक्य को सही करके फिर से लिखिए।** **1**

(1) झगड़ने से सब कुछ प्राप्त होता है। गलत, झगड़ने से बातें और उलझ जाती हैं।

(2) स्त्री व पुरुष भारत माता के रथ के दो पहिए हैं। सही।

(ii) **निम्नलिखित अर्थ को स्पष्ट करने वाली पंक्तियाँ लिखिए।** **1**

(1) यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।

(2) ध्रुव व रजिया भारत माता के बच्चे हैं।

(2) **''स्त्री व पुरुष समाज के प्रमुख अंग है।'' इस पर आधारित अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 4 - व्याकरण

18 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

(1) (i) **निम्नलिखित वाक्य में आए हुए संज्ञा शब्दों को रेखांकित करके उनके भेद लिखिए।** **1**

गोवा देख मैं तरंगायित हो उठा।

(ii) **निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **1**

.... कारखाने में एक ही विभाग में काम करते थे।

(2) (i) **निम्नलिखित वाक्य में से अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **1**

गाय को घर के सामने खूँटे से बाँधा।

(ii) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।।** **1**
और

(3) **काल परिवर्तन कीजिए।** **2**
(i) वे बाजार से नई पुस्तक खरीदते हैं। (पूर्ण भूतकाल)
(ii) वे पुस्तक शांति से पढ़ते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) **तालिका पूर्ण लिखिए ।** **2**

संधि	संधि-विच्छेद	भेद
सुर्यास्त	.... + ...	....
....	दु: + लभ	....

(5) (i) **अर्थ के आधार पर निम्न वाक्य के भेद पहचानिए।** **1**
इसमें परेशान होने की क्या जरूरत है ?

(ii) **सूचना के अनुसार निम्न वाक्य का प्रकार बदलिए** **1**
गाय ने दूध देना बंद कर दिया। (विस्मयार्थक वाक्य)

(6) (i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए।** **1**
जेब ढीली होना

(ii) **निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए।** **1**
(इज्जत उतारना, हाथ फेरना, काँप उठना, तिलमिला जाना, दुम हिलाना, बोलबाला होना)
पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही क्रोध में आ गए।

(7) **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।** **2**
(i) डॉ. महादेव साहा ने बाजार से नए पुस्तक को खरीदा।
(ii) लेखक गोवा को गए उनकी साथ साढू साहब भी थे।

(8) **निम्न वाक्य में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए।** **1**
उनके रीति-रिवाजों का अध्ययन करना पड़ा।

(9) **निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए।** **1**

अ.क्र	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक	द्‌वितीय प्रेरणार्थक
(i)	दौड़ना		
(ii)	देखना		

(10) निम्नलिखित वाक्य में उचित विरामचिह्नों का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए। 1

केवल टीका नथुनी और बिछिया रख लिए थे

(11) निम्नलिखित वाक्य के रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित कारक चिह्नों से कीजिए और कारक का नाम लिखिए। 1

बस .... गोवा घूमने की योजना बनाई।

विभाग 5 - रचना विभाग

32 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है :

(1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। 5

विजय/विजया मोहिते वरदा सोसायटी, विजयनगर, जालना से व्यवस्थापक, औषधि भंडार, नागपुर को पत्र लिखकर आयुर्वेदिक औषधियों की माँग करता/करती है।

अथवा

वक्तृत्व-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में आपके मित्र या सहेली ने आपको बधाई पत्र भेजा है, उसे धन्यवाद देते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए।

दिनांक: ....

संबोधन: ....

अभिवादन: ....

प्रारंभ:

विषय विवेचन:

....

....

....

....

....

तुम्हारा/तुम्हारी,

....

नाम: ....

पता: ....

ई-मेल आईडी: ....

(2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक वाक्य में हो। 5

सुंदर प्रतिभा, मनभावनी चाल और स्वच्छंद प्रकृति ये ही दो-चार बातें देखकर मित्रता की जाती है। पर जीवनसंग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए। मित्र केवल उसे नहीं कहते, जिसके

गुणों की तो हम प्रशंसा करें, पर जिसे हम स्नेह न कर सकें। जिससे हम अपने छोटे काम को तो निकालते जाएँ, पर भीतर ही भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें। मित्र भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीतिपात्र बना सकें। हमारे और मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए, ऐसी सहानुभूति जिससे दोनों मित्र एक-दूसरे की बराबर खोज-खबर लें। ऐसी सहानुभूति, जिससे एक के हानिलाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे। मित्रता के लिए आवश्यक नहीं है कि दोनों मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में भी बराबर की प्रीति और मित्रता देखी जाती है।

प्र.6. (1) वृत्तांत लेखन । (लगभग ६० से ८० शब्दों में) **5**

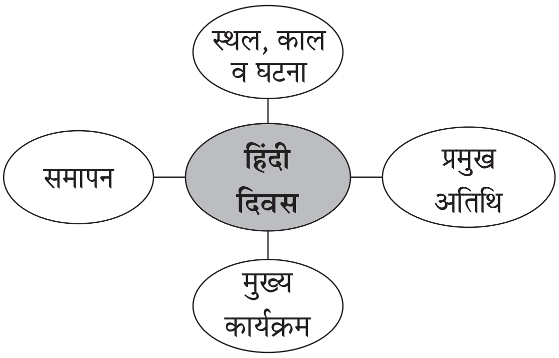

(2) निम्न मुद्दों के आधार पर ५० से ६० शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

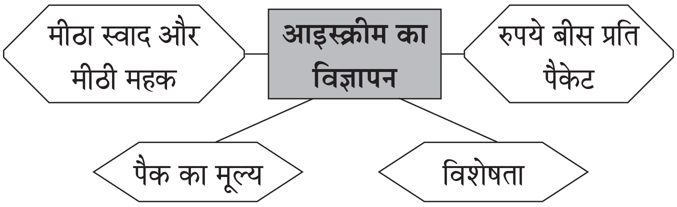

(3) निम्नलिखित शब्दों के आधार पर ८० से १०० शब्दों में कहानी लेखन कीजिए तथा उचित शीर्षक दीजिए। **5**
(अलमारी, गिलहरी, चावल के पापड़, छोटा बच्चा)

(4) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । **7**
(i) जल है तो कल है। (ii) मेरा प्रिय खिलाड़ी

Best Of Luck